हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मंगलवार, 03 सितंबर 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 24, अंक 205, 20 पेज, मूल्य ₹ 4.00, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, पंचमी, विक्रम सम्वत् 2076

ऋषभ की उपलब्धि

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 50 बल्लेबाजों को सबसे तेजी से आउट करने वाले विकेटकीपर बन गए हैं। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पेज 14

पेयजल संकट

- भूजल स्तर गिरने से लगातार फेल हो रहे हैं जल संस्थान के नलकूप
- जानकारों का आकलन है कि पांच साल में होगा भीषण जल संकट

30 फीसदी आबादी को पानी नहीं मिलेगा अगर चौथे और पांचवे वॉटर वर्क्स का निर्माण नहीं हो पाया।

हर साल 20 प्रतिशत नलकूप बंद हो रहे

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

राजधानी में भूजल स्तर काफी तेजी से गिर रहा है। जिसकी वजह से पानी की दिक्कतें लगातार बढ़ रही हैं। हर साल भूजल स्तर गिरने से जलकल के लगभग 20% नलकूप फेल हो रहे हैं। इनकी जगह नए लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है।

जल कल व जल निगम के विशेषज्ञ इंजीनियरों का कहना है कि अगर समय रहते नहीं चेते तो अगले पांच साल में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। शहर को पानी दे पाना जल कल के बस की बात नहीं रह जाएगी। इस समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों ने चौथे व पांचवें वाटर वर्क्स पर तत्काल काम शुरू कराने की बात कही है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अभी चौथे व पांचवें वाटर वर्क्स की जमीन का मामला विवादों में फंसा है। जब तक यह पेंच नहीं सुधरेगा तब तक स्थिति में सुधार काफी मुश्किल है।

जल कल व जल निगम के विशेषज्ञ इंजीनियरों का कहना है कि अगर समय रहते नहीं चेते तो अगले पांच साल में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। शहर को पानी दे पाना मुश्किल हो जाएगा। पीने के पानी का संकट तो अभी ही कई इलाकों में है, आने वाले समय में यह संकट तेजी से बढ़ेगा। बेहतर होगा कि मिल-जुलकर इस समस्या का हल निकाला जाए।

शहर के इलाकों में गिरता भूजल स्तर (मीटर में)

क्षेत्र	2014 में	2018 में
फैजुल्लागंज	12.80	28.81
महानगर	28.82	37.48
जलालपुर	35.80	43.17
इन्दिरानगर	26.15	33.28
अलीगंज	19.05	25.87
जेल रोड	36.25	41.13
एयरपोर्ट	14.85	19.73
त्रिवेणीनगर	21.25	31.88

भूजल रिचार्जिंग में पार्कों का इस्तेमाल होः भरत राज सिंह

पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. भरत राज सिंह का सुझाव है कि पानी की समस्या के समाधान के लिए बारिश के पानी का संचयन और उससे भूजल को रिचार्ज करना ही अब एकमात्र विकल्प बचा है। इसके लिए पार्कों में नीचे तालाब और ऊपर हरियाली का बंदोबस्त किया जाए। इससे स्थिति में काफी सुधार हो सकता है।

जल स्तर महानगर में 8 और फैजुल्लागंज में 16 मीटर गिरा

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

जलकल का मामला लटकने के कारण जलसंकट की स्थिति चिंताजनक हो रही है। गोमती तट के करीब होने के बावजूद फैजुल्लागंज का जलस्तर 16 मीटर तक गिर चुका है।

इसी तरह त्रिवेणीनगर में 10 मीटर तक और महानगर जैसी पॉश कालोनी में आठ मीटर से अधिक जलस्तर गिर चुका है। यहां पर पानी 37 मीटर (121 फुट) नीचे तक पहुंच चुका है। उधर, आलमबाग क्षेत्र का भी यही हाल है। यहां के जेल रोड इलाके का जलस्तर चार साल में 36 मीटर से खिसकर 41 मीटर पर पहुंच गया है। एयरपोर्ट स्थित इलाकों में 14 मीटर से गिरकर 19 मीटर पर आ गया है।

यही वजह है कि इन क्षेत्रों में हर साल नलकूप की बोरिंग होने की संख्या बढ़ती जा रही है। जलकर अभियंताओं के मुताबिक इसी साल अकेले आलमबाग व अलीगंज क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक नलकूपों की बोरिंग जलस्तर गिरने की वजह से हुई है। पूरे शहर में इस साल 50 से ज्यादा नलकूपों ने बोरिंग न गिरने के कारण पानी देना बंद कर दिया है।

जिम्मेदार बोले

"भूजल स्तर गिरने से हर साल लगभग 20 प्रतिशत नलकूप खराब हो रहे हैं। पानी की सप्लाई पम्प से कराना बड़ी चुनौती होता जा रहा है। वाटर वर्क्स का निर्माण अब बहुत जरुरी है। नहीं हुआ तो अगले पांच सालों में बड़ी दिक्कत होने वाली है।

एमडी मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता, जोन-तीन, जलकल

"पानी की दिक्कत बढ़ रही है। पांचवां वाटर वर्क्स अलीनगर सुनहरा में प्रस्तावित है। काफी नलकूप जल स्तर गिरने से फेल हो रहे हैं। वाटर वर्क्स का काम शीघ्र शुरू होना चाहिए।

विमल श्रीवास्तव, अधिशासी अभियन्ता, जोन-पांच व आठ, जलकल

चौथे-पांचवे जलकल निर्माण का प्रस्ताव आठ साल से लंबित

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

चौथे व पांचवें वाटर वर्क्स की जमीन का मामला विवादों में फंसा हुआ है। चौथे वाटर वर्क्स की जमीन के लिए आठ साल हो चुके हैं जबकि पांचवें वाटर वर्क्स की जमीन चिह्नित हुए पांच साल बीत गए। विवाद अभी तक नहीं खत्म हो पाया है। आईआईएम रोड पर घैला के पास चौथे वाटर वर्क्स व अलीनगर सुनहरा में पांचवे के निर्माण का प्रस्ताव है। घैला में एलडीए को जमीन देनी है। अलीनगर सुनहरा में नगर निगम को 90 बीघे जमीन देनी है। इस जमीन का भी विवाद चल रहा है। जल निगम के जीएम का कहना है जमीन का कब्जा मिलने के बाद डीपीआर तैयार होगा।

इन इलाकों में होगी पानी की सप्लाई

घैला के पास प्रस्तावित चौथे वाटर वर्क्स से अलीगंज, जानकीपुरम, जानकीपुरम विस्तार, प्रियदर्शनी कॉलोनी, त्रिवेणी नगर, विकासनगर, निराला नगर, महानगर, निशातगंज तथा कपूरथला, सीतापुर रोड सहित तमाम इलाके को पानी मिल सकेगा। जबकि पांचवें वाटर वर्क्स से कृष्णा नगर, आलमबाग, मवैया, चारबाग, तेलीबाग, आनंद नगर, एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड, आशियाना, सरोजिनी नग,र अमौसी, वृंदावन, शारदा नगर तथा मानसरोवर सहित करीब साढ़े पांच लाख की आबादी को पानी की सप्लाई हो सकेगी।

अभी 385 नलकूप से सप्लाई हो रही

अभी इन इलाकों में कुल 385 नलकूपों से पानी की सप्लाई हो रही है। वाटर वर्क्स बनने से तीन जोनों के लोगों को फायदा होगा। बड़ी आबादी का जल संकट दूर होगा। इनमें जोन तीन अलीगंज क्षेत्र में अभी जलकल 132 बड़े तथा 35 छोटे नलकूपों से पानी की सप्लाई कर रहा है।